25 मई से 5 जून तक प्रदेश में गांव-गांव तक गूंजेगा जल संरक्षण का संदेश

गंगा दशमी से विश्व पर्यावरण दिवस तक चलेगा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित ना रखकर गांव-गांव तक पहुंचाया जाए और जन आंदोलन बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जल संचय को बढ़ावा देने में यह अभियान महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए शहरों से लेकर ग्राम स्तर तक आमजन एवं प्रशासन की भागीदारी इस अभियान में सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान, जल संचय जन भागीदारी 2.0 और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली।

उन्होंने 25 मई को गंगा दशमी से 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक प्रदेशभर में जल संरचनाओं के पूजन-नमन के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आमजन को गंगा दशमी के धार्मिक, भावनात्मक एवं पर्यावरणीय महत्व की जानकारी दी जाए, ताकि जल संरक्षण को लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा सके। इसके लिए सरकार एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ ही स्वयं सेवी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान, जल संचय जन भागीदारी 2.0 और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान को लेकर रविवार को उच्च स्तरीय बैठक ली।

- जल संचय एवं भूजल स्तर बढ़ाने के लिए विकसित की जाएं जल संरचनाएं : मुख्यमंत्री
- कुएं, तालाब, बावड़ी जैसी जल संरचनाओं के पूजन के साथ पाल पर होगा पौधारोपण : भजनलाल शर्मा
- मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को जल संचय के प्रति जागरूक करने के साथ ही मकानों एवं इमारतों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को और अधिक विकसित किया जाए, ताकि वर्षा के जल का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि जल संग्रहण के लिए अधिकाधिक संख्या में जल संरचनाओं का विकास एवं निर्माण किया जाए, ताकि भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ' को जन संदेश बनाकर गांव-गांव तक प्रचारित करने के लिए निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कुएं, तालाब एवं बावड़ी जैसी जल संरचनाओं की साफ-सफाई के साथ जीर्णोद्धार करवाया जाए और उनकी पाल पर अधिकाधिक पौधारोपण किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित भविष्य दिया जा सके। बैठक में जल संचय जन भागीदारी 2.0 और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियानों की अब तक की प्रगति का प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति और संस्कार, भारत की वास्तविक शक्ति : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि नारी गरिमा, संस्कार, सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति समाज की सामूहिक आस्था का प्रतीक है। देवनानी रविवार को यहां कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के.एल.शर्मा द्वारा संकलित पुस्तक गीता शर्मा एक असाधारण व्यक्तित्व के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने 6 ग्रामीण बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 6 ग्रामीण बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की।

देवनानी ने कहा कि भारत ने हजारों वर्ष पूर्व ही महिलाओं को शिक्षा, विचार और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्रदान कर दी थी। वैदिक काल में गार्गी, मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने केवल ज्ञान अर्जित नहीं किया, बल्कि समाज का मार्गदर्शन भी किया। भारतीय परंपरा में नारी को सदैव ज्ञान और चेतना की केंद्र शक्ति माना गया है। देवनानी ने कहा कि आज स्वतंत्र भारत पुन: उसी वैदिक चेतना को जागृत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि महिला विकास से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व आधारित विकास की अवधारणा को स्थापित किया गया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाया है। उन्होंने कहा कि आज भारत की बेटियाँ सेना, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रशासन, खेल और उद्यिमता सहित प्रत्येक क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही हैं। यह परिवर्तन केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि भारतीय समाज की चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

देवनानी ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति, अध्यात्म, पारिवारिक व्यवस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित है। यही कारण है कि आज पूरा विश्व योग, आयुर्वेद और भारतीय जीवन दर्शन की ओर आकर्षित हो रहा है। समारोह को राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के एल शर्मा, राजीव जैन, राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष बी एम शर्मा और प्रो. एस एल शर्मा ने भी संबोधित किया। समारोह में भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी के के शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। आभार रचना शर्मा ने व्यक्त किया।

मुख्य सचिव ने किया आमेर महल का भ्रमण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को आमेर महल का भ्रमण किया। इस दौरान सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति, पुरातत्व शुचि त्यागी भी उपस्थित रही।

मुख्य सचिव ने सर्वप्रथम आमेर की आराध्य देवी शिला माता के दर्शन किये। इसके पश्चात् आमेर महल का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान गत वर्ष में आमेर भ्रमण करने वाले पर्यटकों की कुल संख्या लगभग 22 लाख 82 हजार जिसमें विदेशी पर्यटक लगभग 2 लाख 70 हजार एवं 6270 प्रतिदिन औसतन पर्यटकों की संख्या को देखकर पर्यटकों को आने वाली समस्याओं की जानकारी ली गयी। पर्यटकों की संख्या को और बढ़ानें के लिए सकारात्मक प्रयास करते हुए पार्किंग को पूर्णत: विकसित एवं व्यवस्थित करने एवं आमेर महल तक आने वाले रास्तों एवं शौचालय आदि मूलभूत सुविधाओं और अधिक विकसित करने के निर्देश प्रदान किये।

केन्द्रिय परिवर्तित योजना के तहत् चल रहे 25.5 करोड़ के कार्यों जैसे- परियों के पास स्थित खाली जमीन पर पार्किंग विकास, प्राचीन आमेर महल, खेड़ी गेट से पितलिया भवन वाली रोड, भारमल की छतरियाँ एवं अन्य कार्य तथा बजट घोषणाओं के 4.02 करोड़ के तहत् चल रहे मानसिंह महल के कार्यो का निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों पर संतुष्टि व्यक्त की।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को आमेर महल का भ्रमण किया। इस दौरान सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति, पुरातत्व शुचि त्यागी भी उपस्थित रही।

मानसिंह महल में चल रहे संरक्षण के कार्यों का बारिकी से अवलोकन किया एवं संरक्षण कार्य के दौरान निकाले गये कंगूरों को सराहा। साथ ही मानसिंह महल स्थित छज्जे की टोडियों पर स्थित भित्ति चित्रों के संरक्षण हेतु जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। आमेर महल स्थित सिंहपोल, गणेशपोल, भोजनशाला आदि में स्थित भित्ति चित्रों के संरक्षण हेतु एवं के मध्य हुए अनुबन्ध को सराहा।

बजट घोषणाओं के तहत् बनाये जाने वाले डिजिटल संग्रहालय के स्थान चयन की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिये गयें मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग को गाईडों के संबंध में और अधिक प्रशिक्षण देने के संबंध में निर्देशित किया ताकि गाईडों द्वारा जयपुर आने वाले पर्यटकों को सटीक एवं तथ्यपूर्ण जानकारी प्रदान की जा सकें। मुख्य सचिव को पर्यटक गाईड महेश शर्मा द्वारा महल का भ्रमण करवाया गया। शीशमहल के अवलोकन के दौरान उसके स्थापत्य को देखकर मुख्य सचिव अभिभूत हुये एवं इनके संरक्षण के बारे में अत्यधिक सावधानी बरतने एवं उनके मूल स्वरूप को बरकरार रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।

भ्रमण के दौरान निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, संयुक्त निदेशक, पर्यटन एवं अधीक्षक, आमेर महल एवं आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक (कार्य) एवं उनकी टीम उपस्थित रही।

वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य : वसुन्धरा राजे

जयपुर(कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने स्वास्थ्य कल्याण रक्त केंद्र के 32वें स्थापना दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, जयपुर के पूर्व सांसद राम चरण बोहरा और पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल भी उपस्थित थे।

राजे ने संस्था के अध्यक्ष डॉ.एसएस अग्रवाल और उनकी टीम को साधुवाद दिया,जो 32 वर्षों से इस पुनीत कार्य में जुटे हुए हैं। साथ ही रक्तदान दाताओं का आभार भी व्यक्त किया,जिन्होंने लोगों का जीवन बचाने के लिए यह पुण्य कार्य किया।उन्होंने कहा कि आज हर 2 सेकंड में भारत में किसी न किसी व्यक्ति को खून की ज़रूरत पड़ती है और हर साल 12 लाख यूनिट खून की कमी से लोग जान गँवा देते हैं।इसलिए रक्तदान हम सब के लिए आवश्यक है।वे बोलीं-वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य हैं।इसीलिए रक्तदान को सर्वोच्च दान माना गया है,जो नि:स्वार्थ भाव से किसी की जान बचाकर सबसे बड़ा पुण्य कमाने का अवसर देता है।जो न केवल मानव सेवा है,बल्कि समाज में एकता और इंसानियत का श्रेष्ठ उदाहरण है। उन्होंने आव्हान किया कि हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए,क्योंकि रक्त का कतरा किसी न किसी व्यक्ति के लिए जीवन है।

2.60 लाख किसानों को दलहनी-तिलहनी फसलों का अनुदानित बीज मिलेगा

135 करोड़ रुपये की बड़ी योजना को वित्त विभाग की मंजूरी मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य तेलों एवं दालों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कटिबद्धता से कार्य कर रहीं है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-तिलहन एवं दलहन के अंतर्गत 135 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी है। इस योजना के तहत राज्य में 70 हजार फसल प्रदर्शनों का आयोजन किया जाएगा तथा 2 लाख 60 हजार किसानों को मूंग, उड़द, अरहर, सोयाबीन, सरसों, तिल एवं अरंडी आदि फसलों के अनुदानित एवं प्रमाणित बीज नि:शुल्क या अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। कुल व्यय 135 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत वहन किए जाएंगे। यह योजना "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के अंतर्गत किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने, उत्पादकता बढ़ाने तथा उनकी आय में वृद्धि करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने बताया कि बीज वितरण एवं फसल प्रदर्शनों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार किसानों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देकर हम न केवल किसानों की आय बढ़ाएंगे बल्कि देश को खाद्य तेलों एवं दालों में आत्मनिर्भर बनाने में भी अपना योगदान देंगे।

बीड़ पापड़ सफारी में आसानी से दिख रहे बघेरे

जयपुर के वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद खबर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के विद्याधर नगर स्थित बीड़ पापड़ लेपर्ड सफारी इन दिनों वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सफारी में आने वाले पर्यटकों को लगातार बघेरों (लेपर्ड्स) की अच्छी साइटिंग हो रही है, जिससे यहां रोमांच का माहौल है और पर्यटकों के चेहरे खिले हुए हैं। रेंजर रघुवेंद्र राठौड़ ने बताया कि सफारी क्षेत्र में बघेरे पूरी तरह सहज महसूस कर रहे हैं। यही कारण है कि पर्यटकों को उनके प्राकृतिक आवास में अठखेलियां करते और घूमते हुए आसानी से देखा जा रहा है।

- गर्मी में लेपर्ड्स के लिए पानी के विशेष इंतजाम किए : रेंजर राठौड़

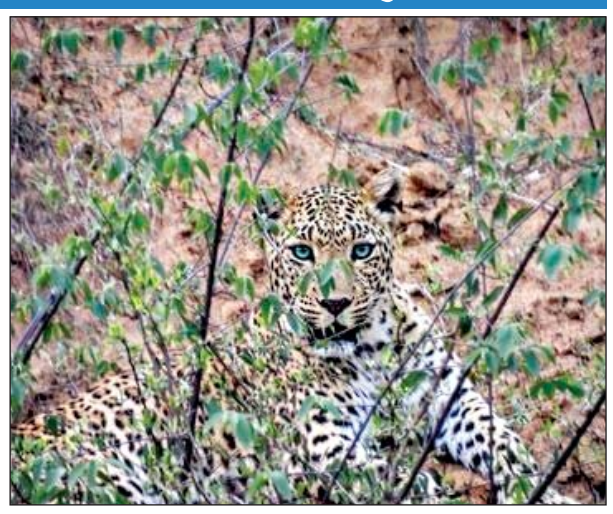

राठौड़ ने बताया कि राजधानी में लगातार बढ़ रही तेज गर्मी को देखते हुए वन विभाग बेहद सतर्क है। सफारी क्षेत्र में रह रहे वन्यजीवों को पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े, इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्र में बने सभी वॉटर पॉन्ड्स (कृत्रिम जलाशयों) में समय-समय पर पानी भरा जा रहा है। वन विभाग की टीम लगातार इन वाटर पॉन्ड्स की मॉनिटरिंग कर रही है ताकि तेज धूप और गर्मी के इस मौसम में कोई भी वन्यजीव प्यासा न रहे और उन्हें सफारी क्षेत्र के अंदर ही पर्याप्त मात्रा में शीतल जल उपलब्ध हो सके। पानी के इन स्त्रोतों के आसपास भी वन्यजीवों की अच्छी आवाजाही देखी जा रही है।

स्व. गिर्राज शर्मा की स्मृति में 400 यूनिट रक्तदान

जयपुर। स्व. गिर्राज शर्मा की पुण्य स्मृति में गोनेर के शर्मा परिवार की ओर से मालवीय नगर स्थित अणुविभा केंद्र में शनिवार को आयोजित 25वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। मानव सेवा एवं सामाजिक सरोकार को समर्पित इस आयोजन में दिनभर रक्तदाताओं का उत्साह देखने को मिला तथा बड़ी संख्या में लोगों ने जरूरतमंद मरीजों के लिए स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर में करीब 400 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्तदान जीवन और मृत्यु से संघर्ष कर रहे रोगियों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में बढ़ती रक्तदान की भावना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है और इस प्रकार के आयोजन जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं।

मुख्यमंत्री से मिले घुमंतु-अर्द्धघुमंतु जनजाति समाज के लोग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास और सामाजिक उत्थान के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सशक्त महिला, शिक्षित युवा, समृद्ध किसान और कुरीतिमुक्त समाज ही प्रदेश के समग्र विकास का आधार है। डबल इंजन सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं बजट घोषणाओं के माध्यम से सुशासन की संकल्पना साकार हो रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर गडरिया-गाड़री-गायरी-धनगर-पाल-बघेल सहित विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा समाज हित में की गई बजट घोषणाओं एवं कल्याणकारी प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर की 301वीं जयंती पर आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय समारोह के पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज गौरवपूर्ण इतिहास एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का धनी है। खानवा के युद्ध में वीर सिंह बघेल ने राणा सांगा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मुगल आक्रांताओं के खिलाफ अदम्य साहस, शौर्य, स्वामीभक्ति का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं, गडरिया समाज पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर की गौरवशाली परंपराओं के प्रति श्रद्धावान होकर उन्हें आगे बढ़ा रहा है। पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर ने राष्ट्र को दिशा देने का कार्य किया। समाज उनके दिखाए मार्ग पर चलकर और आदर्शों से प्रेरणा लेकर कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे। कार्यक्रम में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतू जनजाति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दुष्यंत कुमार बघेल सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदेशभर में 43 पेट्रोल पम्पों के नोजल किए सीज

7 जिलों के 25 पेट्रोल पम्पों पर हो रही थी गड़बड़ी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग की अचानक जांच कार्रवाई में प्रदेशभर के कई पेट्रोल पंपों पर आम उपभोक्ताओं के साथ हो रही बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। विभाग द्वारा 7 जिलों में की गई सघन जांच के दौरान 25 पेट्रोल पंपों के कुल 43 गड़बड़ नोज़ल जब्त/बंद किए गए। जांच में सामने आया कि कई पेट्रोल पंप हर 5 लीटर पर 30 से 60 एमएल तक कम ईंधन दे रहे थे। बड़ी मात्रा में बिक्री होने के कारण यह कमी हर महीने उपभोक्ताओं को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा रही थी।

सिरोही जिले में 7 पेट्रोल पंपों के 9 नोज़ल बंद किए गए। रामपीर फिलिंग स्टेशन, पवन फिलिंग, करणी फ्यूल, देवनगरी पेट्रोलियम सर्विस, पार्वती दरिया फिलिंग स्टेशन, सुरेन्द्र जितेन्द्र ट्रेडर्स एवं भगवती फिलिंग स्टेशन पर 40 से 50 एमएल तक शॉर्ट डिलीवरी मिली। यहां प्रतिमाह 90 से 360 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था, जिससे करीब 1.14 लाख की अनुमानित हानि हो रही थी।

- औचक निरीक्षण के दौरान उपभोक्ता मामलात विभाग ने कार्रवाई की

अलवर जिले में सिंघल सर्विस स्टेशन और चौधरी सर्विस स्टेशन के 5 नोज़ल बंद किए गए। सिंघल सर्विस स्टेशन पर 30 से 60 एमएल तक कम डिलीवरी मिली, जहां प्रतिमाह 648 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था। जिले में कुल अनुमानित हानि 91 हजार से अधिक आंकी गई। नागौर जिले में 4 पेट्रोल पंपों के 11 नोज़ल जब्त किए गए। नंदलाल राजेश कुमार कछवाहा फिलिंग स्टेशन, गुलाबदास आत्माराम, मारवाड़ फिलिंग स्टेशन एवं आर एल सिहाग पेट्रोलियम पर प्रतिमाह 54 से 378 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था। यहां करीब 97 हजार की आर्थिक हानि सामने आई।

भीलवाड़ा जिले में 3 पेट्रोल पंपों के 4 नोज़ल बंद किए गए। दीपक पेट्रोलियम, शिव इंडियन ऑयल एवं श्री श्याम फिलिंग स्टेशन पर प्रतिमाह 34 से 90 लीटर तक कम पेट्रोल दिया जा रहा था। सीकर जिले के सीएसआरबी फिलिंग स्टेशन नायरा के 4 नोज़ल बंद किए गए, जहां प्रतिमाह 216 लीटर तक शॉर्ट डिलीवरी सामने आई। पाली जिले में मा आई जी फिलिंग, पूजा एचपी पेट्रोलियम, पार्श्व एनर्जी एवं कछवा बस सर्विसेज के 5 नोज़ल बंद किए गए। यहां प्रतिमाह 45 से 180 लीटर तक कम ईंधन दिया जा रहा था, जिससे उपभोक्ताओं को 55 हजार से अधिक की अनुमानित हानि हो रही थी। विभागीय आकलन के अनुसार चिन्हित मामलों में ही उपभोक्ताओं से हर महीने करीब 4 लाख तक की अतिरिक्त वसूली की जा रही थी।

उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग है और ऐसी अचानक निरीक्षण कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विभाग की सक्रिय कार्रवाई से आम उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिल रहा है तथा पेट्रोल पंप संचालकों में भी नियमों के पालन को लेकर जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सेंट्रल जेल में फिर मिली प्रतिबंधित सामग्री

जयपुर। राजधानी की हाई सिक्योरिटी जयपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल परिसर से दो मोबाइल फोन, जर्दे की पुड़िया और बीड़ी के बंडल मिलने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले में जयपुर पुलिस के लाल कोठी थाने में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

लालकोठी थानाधिकारी प्रकाश राम ने बताया कि 16 मई को सेंट्रल जेल के उप कारापाल रमेश चंद की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार तलाशी के दौरान वार्ड नंबर-7 के पीछे जेल की मुख्य दीवार के पास खाकी टेप में लिपटा एक पार्सल मिला। पार्सल की तलाशी लेने पर उसमें जर्दे की 12 पुड़िया, बीड़ी के 15 बंडल, एक बिना सिम का मोबाइल फोन और चार्जिंग केबल बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि यह पार्सल जेल के बाहर से अंदर फेंका गया था।

थानाधिकारी ने बताया कि इसी दिन उप कारापाल रमेशचंद ने एक अन्य मामला भी दर्ज कराया।

भैंस चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। बगरू थाना पुलिस ने पशु चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन एवं भैंस बिक्री की नकद राशि बरामद की है। आरोपी ने बगरू के साथ दूदू क्षेत्र में भी भैंस चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशान्त किरण ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने पशु चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए शातिर आरोपी आरोपी फरीद मोहम्मद (19) पुत्र इकबाल मोहम्मद निवासी डिग्गी जिला टोंक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भैंस बिक्री के 10 हजार रुपए तथा चोरी में प्रयुक्त पिकअप जब्त की है। पुलिस गैंग के अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने बावरिया गैंग के अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने दूदू क्षेत्र के ग्राम सेवा इलाके से भी भैंस चोरी करना स्वीकार किया। बगरू थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार गोदारा ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद से पुलिस घटनास्थल से जयपुर शहर और रिंग रोड की ओर जाने वाले रास्तों के सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध पिकअप वाहन का रोडमैप तैयार किया। जांच के दौरान वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन नंबर आरजे-26 जीए-5758 की पहचान कर पुलिस टीम ने टोंक जिले के डिग्गी थाना क्षेत्र स्थित इस्लामपुरा गांव में दबिश देकर आरोपी को वाहन सहित दस्तयाब कर लिया।

सूर्यनमस्कार विशेष प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

जयपुर। क्रीडा भारती जयपुर प्रांत का सूर्य नमस्कार का तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 15 मई से 17 मई तक सेवा सदन, सहकार मार्ग जयपुर में आयोजित हुआ। मुख्य प्रशिक्षक, बैंगलोर से आये क्रीडा भारती के अखिल भारतीय योग एवं सूर्य नमस्कार प्रमुख चन्द्रशेखर जहागिरदार ने तीनों दिन उपस्थित रहकर प्रशिक्षणार्थियों को सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण दिया तथा इसकी बारीकियां विस्तार से बताई। साथ ही उन्होंने आसन व योग चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया। चूंकि क्रीडा भारती का कार्य क्षेत्र खेल व खिलाड़ी हैं।